जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 43 प्रभात चूरू, मंगलवार 10 जून, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मेघालय के मु.मंत्री खुश हैं, हनीमूनर्स की वारदात से उनके टूरिज़्म पर आँच नहीं आयेगी

उनकी खुशी का कारण है, वारदात ''उन नॉर्थ इण्डियन्स'' का आपसी मामला निकला, मेघालय की जनता का उस वारदात से कुछ लेना-देना नहीं था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। क्या सोनम बेवफा थी?

इंदौर के जोड़े की रहस्यमय हत्या की इस गुत्थी ने पूरे देश को झकझोर दिया है।

घटना को लेकर सदमा, अविश्वास और दुख है तथा यह सवाल पूछा जा रहा है कि समाज कितना नीचे गिर चुका है, और क्या यह जातिगत राजनीति (कास्ट पॉलिटिक्स) का परिणाम है, जो उन परिवारों में निभाई जाती है, जहाँ एक उच्च जाति की लड़की को निम्न जाति के अपने प्रेमी से शादी करने की इजाज़त नहीं दी जाती। ज्यादातर मामलों में, टियर 2-3 शहरों में माता-पिता अपनी बेटियों को परिवार की इज्जत, और समाज में अपनी स्थिति की वजह से अपनी ही जाति के लड़के शादी करने के लिए मजबूर करते हैं।

क्या सोनम के साथ यही हुआ?

- पर, क्या यह जानकर, कि सोनम ने सुपारी देकर, अपने पति की हत्या करवायी, इस काण्ड की इतिश्री मान ली जाएगी, जो इस समय पूरे देश को झकझोरे हुए है?
- पर, इस काण्ड का असली गुनाहगार वह जात (कास्ट सिस्टम) है, जिसके कारण एक संभ्रांत परिवार सामाजिक इज़्ज़त की वजह से अपनी बेटी के प्रेम संबंध को स्वीकार नहीं कर पाता, क्योंकि उनकी पुत्री का प्रेमी नीची जात का व्यक्ति है।
- प्रेम संबंध फलीभूत न होता देख, प्रेमी युगल कुण्ठा में, इस तरह की घिनौनी हत्या को अंजाम देता है।
- ऐसी सामाजिक इज़्ज़त को बचाने के प्रयास की घटनाएं आम तो नहीं हैं, नॉर्थ इंडिया'' में, पर अनहोनी भी नहीं हैं, छोटे-छोटे शहरों और कस्बों में।

सोनम और राजा, इंदौर के एक जोड़े ने शादी की और मेघालय हनीमून पर गए।

बाद में पति राजा गायब हो गया और मृत पाया गया।

आज उसकी पत्नी सोनम गाज़ीपुर में पाई गई है और उसका दावा है कि उसे अगवा किया गया और वहां छोड़ दिया गया। लेकिन सोनम का एक प्रेमी है, राज कुशवाहा है, जो पिछड़ी जाति से है, और कथित रूप से दो सुपारी किलर हैं, जिन्होंने राज और सोनम के निर्देश पर पति राजा की हत्या कर दी।

सोनम अपने हनीमून पर जाते समय शादी में मिले सोने के सारे जेवर लेकर गई थी और अपने पिता के खाते से 10 लाख रुपये भी निकाल लिए थे। अब सोनम के पिता सी.बी.आई. जांच की मांग कर रहे हैं।

पुलिस का दावा है कि सोनम और राज इस हत्या में शामिल थे। आगे की पूछताछ से और तथ्य सामने आएंगे।

जब इस जोड़े की गुमशुदगी और राजा रघुवंशी की हत्या की खबरें सुर्खियों में आईं, तो मेघालय के मुख्यमंत्री ने अपने शीर्ष पुलिस अधिकारी को फोन कर जांच तेज़ करने को कहा।

मेघालय सरकार नहीं चाहती थी कि यह संदेश जाए कि इस प्रकरण में स्थानीय लोगों का हाथ है, क्योंकि इससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टाइगर के हमले में जैन मंदिर के चौकीदार की मौत

सवाई माधोपुर, 9 जून (निसं)। प्रदेश के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व में बाघ ने सोमवार को फिर एक जिंदगी छीन ली। रणथंभौर किले में टाइगर ने जैन मंदिर के चौकीदार को मार डाला। करीब पौने दो माह में टाइगर अटैक के कारण होने वाली यह तीसरी मौत है।

घटना को लेकर रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि रणथंभौर में वन विभाग का सिस्टम बिलकुल फेल है। यहां अधिकारी सिर्फ टाइगर को प्रमुखता

- गत पौने दो माह में टाइगर के हमले से हुई यह तीसरी मौत है।
- स्थानीय लोगों ने रणथंभौर में वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गणेश धाम आने वाले भक्तों को सुरक्षा के भी कोई इतंज़ाम नहीं हैं।

देते हैं, लोगों की सुरक्षा को नहीं। पहले टाइगर ने एक बालक को मार डाला, फिर वन विभाग के एक कर्मचारी को और फिर आज एक मंदिर के चौकीदार को। लोगों का कहना है कि वन विभाग या पुरातत्व विभाग सुरक्षा के कोई कदम नहीं उठा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि वन विभाग गणेश भक्तों की सुरक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''बाहरी'' व्यक्तियों को खदेड़ने के खिलाफ अमेरिका में भारी विरोध व प्रदर्शन

ट्रम्प ने सशस्त्र ''नैशनल गार्ड'', अर्द्ध सैनिक बल को लॉस एंजलिस भेजा प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए, उनके एक उच्चाधिकारी ने ''मरीन्स'' को प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए तैयार रहने के आदेश भी दिये बताये

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। अब तक उम्मीदों और सपनों की धरती रहा अमेरिका, एक दुःस्वप्न में बदल गया है। देश के सबसे प्रसिद्ध शहरों में से एक, लॉस एंजलिस में संघीय आप्रवासन (फैडरल इमिग्रेशन) अधिकारियों की ज़ोर जबरदस्ती के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन देखे गए हैं।

लॉस एंजलिस में विरोध प्रदर्शन भड़क उठा है, लेकिन देश के ऐसे कई अन्य हिस्से भी हैं, जहां हालात संवेदनशील हैं। जिनके पास वैध दस्तावेज हैं, वे भी सड़कों पर उतर आए हैं, क्योंकि उन्हें भी टारगैट किया जा रहा है।

लेकिन वर्तमान प्रदर्शनों को दबाने के लिए जो उपाय किए गए हैं, वे अब मूल समस्या से भी बदतर साबित हो रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने बयानों के साथ स्थिति को और जटिल बना दिया है। ट्रंप ने प्रदर्शनों को कंट्रोल करने के लिए, स्थानीय प्रशासन को दरकिनार करते हुए, नैशनल गाड्र्स को तैनात करने की बात कही है, जो एक पैरा मिलिटरी फोर्स है।

- अपनी जनता से अपने ही देश में इतनी भारी सख्ती देखकर अचंभित व क्षुब्ध हैं, अमेरिकावासी।
- पर, देर रात प्राप्त जानकारी के अनुसार, इयॉन मस्क, जिनसे ट्रम्प का सार्वजनिक झगड़ा हुआ था, ने भी ट्रम्प की इस सख्ती का समर्थन किया है।
- अमेरिका के वैस्ट कोस्ट पर बसे इस जाने-माने शहर की गवर्नर, डेमौक्रेटिक पार्टी से सम्बद्ध राजनीतिज्ञ हैं, अतः ट्रम्प को आशंका थी कि शायद प्रदशनकारियों से उनका कुछ सहानुभूति पूर्ण रवैया होगा, इसीलिए ट्रंप ने अर्द्ध सैनिक बल (पैरामिलिटरी फोर्स) भेजने का निर्णय लिया।
- पर, यह सवाल पूरे देश में गूंज रहा है, क्या प्रदर्शनकारियों से इतनी बेरहमी से पेश आना जरूरी था। क्योंकि, ऐसे प्रदर्शन अब व्यापक रूप से फैलने की प्रबल आशंका बनी हुई है तथा अमेरिका में पढ़ने व काम करने के इच्छुक विदेशी विद्यार्थियों के अब अमेरिका जाने पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग गया है।

अब इस बात पर बहस हो रही है कि क्या विरोध प्रदर्शनों की घटनाएं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी जी ने, 11 जून को भाजपा कवर करने वाले पत्रकारों को लंच पर आमंत्रित किया था

पर, अचानक सूचना आयी, वे लंच पर मौजूद नहीं रहेंगे, उनके स्थान पर राजनाथ सिंह मेज़बानी करेंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो 11 जून को अपनी सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा को कवर करने वाले पत्रकारों और संपादकों के लिए दोपहर भोज का आयोजन कर रहे थे, अब लगता है कि उन्होंने अपना मन बदल लिया है।

यह समझा जा रहा है कि वे स्वयं भोज ने उपस्थित नहीं होंगे, बल्कि उन्होंने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को दोपहर भोज की मेजबानी के लिए नियुक्त किया है।

इसकी अटकलें तब शुरू हुईं, जब मोदी ने सत्ता में अपने 11 वर्षों का जश्न मनाने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की (जो कि उनकी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस थी), और फिर बात संपादकों और भाजपा कवर करने वाले पत्रकारों के लिए भोज आयोजित करने तक आ गई।

अब सात रेस कोर्स रोड से आई ताज़ा सूचना यह है कि प्रधानमंत्री स्वयं अनुपस्थित रह सकते हैं और राजनाथ सिंह को अपना प्रतिनिधि बना सकते हैं।

पार्टी और सरकार के भीतर वास्तव में क्या चल रहा है, यह बदलाव उसके बारे में बहुत कुछ कहता है।

अगले भाजपा अध्यक्ष को लेकर भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के बीच कोई आम सहमति नहीं बन पाई है।

- अवसर महत्वपूर्ण था, क्योंकि मोदी सरकार के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सरकार अपने शासन की उपलब्धियाँ व विशेषताओं पर चर्चा करना चाहती थी, पत्रकारों से।
- पर, कई तरह के सवाल भी उठाये जा सकते थे, जैसे, क्या भाजपा व संघ में मतैक्यता बन गई है, नये पार्टी अध्यक्ष के प्रश्न पर।
- क्या इसी कारण मंत्रिमंडल में फेरबदल अटका हुआ है।
- भारत बार-बार ट्रंप की ज्यादतियों व बड़बोलेपन को क्यों स्वीकार कर रहा है। ट्रंप बार-बार यह कह रहे हैं कि उन्होंने भारत-पाक को व्यापार न करने की धमकी देकर, ''सीज़फायर'' करवायी तथा जब भी चाहा, भारत पर काफी कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई पेपर लीक केस में 3 दर्जन आरोपियों ने जमानत याचिका लगाई

जयपुर, 9 जून। एसआई भर्ती पेपर लीक-2021 मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे करीब तीन दर्जन आरोपियों ने हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं पेश कर अंतरिम जमानत और जमानत पर रिहा करने की गुहार की। अदालत ने सभी याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए मामले की सुनवाई 2 जुलाई को तय की है। जस्टिस आनंद शर्मा की अवकाशकालीन

- किसी ने बेटे या बेटी की शादी का कारण दिया तो महिला आरोपी ने गर्भावस्था को वजह बताकर जमानत मांगी।

एकलपीठ ने ये आदेश दिए।

आरोपी ट्रेनी एसआई मोनिका की ओर से अधिवक्ता धर्मेन्द्र फगोरिया ने अंतरिम जमानत अर्जी पेश कर कहा कि वह छह माह की गर्भवती है। ऐसे में उसे उचित देखभाल और चिकित्सा सुविधा की जरूरत है। इसलिए उसे अंतरिम जमानत का लाभ दिया जाए। वहीं, एक अन्य आरोपी श्रवण की ओर से कहा गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'11 साल का कार्यकाल 11 साल का सेवाकाल है, जिसमें क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं'

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि, उनकी एनडीए सरकार ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास व सबका प्रयास'' के सिद्धांत पर काम करती है

नई दिल्ली, 09 जून। मोदी सरकार ने सोमवार को सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने, शासन काल को '' 11 साल का सेवा काल'' बताया और भारत में हुए क्रांतिकारी बदलाव पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने 140 करोड़ लोगों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है, जिससे तेजी से प्रगति हुई है और 'जीवन में सुगमता' आयी है।

मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के कार्यकाल के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज़ भी बन गया है।

- प्रधानमंत्री ने लोगों से नमो ऐप के जरिए भारत की विकास यात्रा देखने का भी आह्वान किया।
- प्रधानमंत्री ने कहा, 140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद तथा सामूहिक भागीदारी के बल, भारत ने सभी क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। हम एक नए विकसित भारत के निर्माण के लिए आशा, विश्वास तथा संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में राजग सरकार के केन्द्र की सत्ता में आने के बाद मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' के सिद्धांत से प्रेरित होकर राजग सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं।

मोदी ने कहा है कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, सरकार ने जन-केन्द्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही, हम आशा व विश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि पिछले 11 वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं और जीवन की सुगमता को बढ़ ावा मिला है।

मोदी ने सरकार की उपलब्धियों को संवाद-शैली के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली नमो ऐप के माध्यम से इस परिवर्तनकारी यात्रा के बारे में जानकारी जुटाने के लिए देशवासियों को प्रोत्साहित भी किया है। इस ऐप के जरिए इंटरैक्टिव गेम, क्विज़, सर्वेक्षण और अन्य प्रारूपों के माध्यम से प्रेरणादायी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्रधानमंत्री ने लोगों को नमो ऐप और आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध वीडियो, इन्फोग्राफिक्स और लेखों जैसे विभिन्न आकर्षक प्रारूपों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा के बारे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजा हत्याकांड के तीन आरोपी इंदौर से गिरफ्तार

इंदौर, 09 जून। मध्यप्रदेश के इंदौर निवासी राजा रघुवंशी की मेघालय के शिलांग में हुई हत्या के मामले में राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी के उत्तरप्रदेश के गाजीपुर से बरामद होने के बाद, तीन अन्य आरोपियों को इंदौर से हिरासत में लिया गया है, जिनसे मेघालय पुलिस पूछताछ कर रही है।

इंदौर पुलिस के एक वरिष्ठ

- तीनों आरोपियों से मेघालय पुलिस पूछताछ कर रही है, एक अभी भी फरार है उसकी तलाश जारी है।

अधिकारी ने इस संबंध में बताया कि 23 मई को रघुवंशी दंपति के लापता होने के बाद, परिजनों के आग्रह पर यहां एक विशेष टीम तैनात की गई। दो जून को राजा रघुवंशी का शव बरामद होने के बाद इस मामले में शिलांग के ईस्ट सोहरा के सोहरा थाने में प्रकरण दर्ज हुआ।

उन्होंने बताया कि कल देर रात इंदौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महागठबंधन (आर.जे.डी., कांग्रेस, वामपंथी पार्टियाँ आदि) दो-तिहाई बहुमत की आशा कर रहा है

महागठबंधन का मानना है कि एन.डी.ए. में काफी अंदरूनी खींचतान है तथा नीतीश कुल 243 सीटों में से 122 सीटों की मांग पर अडिग हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। भारतीय जनता पार्टी बिहार में अपनी भविष्य की संभावनाओं को लेकर बढ़ती जा रही अंदरूनी चिंताओं से जूझ रही है। दरअसल, आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट-शेयरिंग को लेकर अपने प्रमुख सहयोगी दल जनता दल (यू) के साथ उसका तनाव बढ़ता ही जा रहा है।

भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की कि पार्टी नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 243 विधानसभा सीटों के बड़े हिस्से की माँग पर अड़े होने से अप्रसन्न हैं। बताया जा रहा है कि वे अपनी पार्टी के लिये कम से कम 122 सीटें दिये जाने पर अडिग हैं।

इस गतिरोध के कारण एनडीए खेमे के अंदर का माहौल बड़ा असहज हो गया है। इस स्थिति ने उस समय एक नाटकीय मोड़ ले लिया, जब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने एक साहसिक बयान देते हुए सभी 243 सीटों पर एनडीए को पूरा समर्थन एवं सहयोग देने की घोषणा कर दी।

जहाँ चिराग पासवान के इस बयान को एनडीए की एकता की छलाँग के रूप में प्रोजैक्ट किया गया, वहीं जाने-माने पत्रकार अशोक ठाकुर ने इसके महत्व को खारिज कर दिया। ठाकुर ने कहा, ''चिराग की यह घोषणा अखबारों की सुर्खियों का हिस्सा तो बन सकती है, लेकिन चिराग में वोटरों को बड़ी संख्या में भाजपा के पक्ष में लाने की क्षमता नहीं है।'' इस घोषणा को पासवान के अल्पकालीन फिल्मी कैरियर के समकक्ष बताते हुए, ठाकुर ने भविष्यवाणी की कि उनके राजनैतिक हस्तक्षेप का भी वही हश्र होना है।

- साथ ही, अभी भी कोई चेहरा व व्यक्तित्व नहीं, जो भाजपा की ओर से मु.मंत्री के रूप में पेश किया जा सके।
- साथ ही, महागठबंधन में कोई मतभेद नहीं है कि उनकी ओर से तेजस्वी यादव मु.मंत्री पद के उम्मीदवार हैं।
- तथा, तेजस्वी यादव व राहुल गांधी में खूब पट रही है तथा दोनों का जोर युवा, महिला, ओबीसी व अल्पसंख्यकों पर है, तथा वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक से खफा मुस्लिम समुदाय का झुकाव भी महागठबंधन की ओर हो रहा है।

दूसरी तरफ, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), कांग्रेस, कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) तथा अन्य वामपंथी दलों से मिलकर बना ''महागठबंधन'' अच्छी गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। छोटे-छोटे राजनैतिक दल, जैसे पशुपति पारस के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, भी विपक्षी गठबंधन के सम्पर्क में बताये जाते हैं, जो भाजपा के खिलाफ एक बड़ी एकता एवं जमावड़े का संकेत हैं।

महागठबंधन ने अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर कोई अस्पष्टता नहीं है। आरजेडी के तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच काम करने का एक नज़दीकी तालमेल बन चुका है तथा आगामी महीनों में पूरे बिहार में संयुक्त रैलियाँ आयोजित करने की योजना विचाराधीन है। आरजेडी के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने कहा, ''राहुल और तेजस्वी के बीच मिलकर काम करने का रूझान बड़ा स्वाभाविक, अनौपचारिकतापूर्ण एवं प्रभावी प्रतीत हो रहा है। उनके प्रचार की गूँज युवाओं, महिलाओं और पिछड़े समुदायों के मन घर बनाती जा रही है।''

जमीनी हकीकत मतदाता की सोच में एक स्पष्ट बदलाव का संकेत दे रही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुंबई में लोकल ट्रेन से गिरे यात्री

मुंबई, 9 जून। महाराष्ट्र के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर कसारा से आने वाली एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरने से सोमवार को पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए।

मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे ने यह जानकारी दी। शिंदे ने कहा, यह दुर्घटना सुबह करीब नौ बजे हुई और हमें सवा नौ बजे सूचना मिली और हम मौके पर पहुंचे तो पाया कि करीब सात लोग

- मुंब्रा स्टेशन पर हुए इस हादसे में 5 की मौत हो गई व 7 घायल हो गए।

घायल हैं और कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है। घायलों और मृतकों को तुरंत नजदीकी छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा ले जाया गया, जिनमें से चार घायल खुद जुपिटर अस्पताल चले गए।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि घटना के दौरान 10 से 12 यात्री ट्रेन से गिरे थे। अधिकारियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)